अमेरिका के शहर बॉस्टन से एक घंटा दूर समुद्र तट पर बसे राकपोर्ट विलेज में पिजन हिल स्ट्रीट पर एक अजीब सी इमारत है। यह एक मंजिला रैड हाउस किसी साधारण इमारत जैसा लगता है पर असल में यह कागज से बना है। पेपर हाउस के निर्माण की शुरुआत 1922 में हुई थी, जब एक मैकैनिकल इंजीनियर, एलिस स्टैनमैन ने एक छोटे से समर हाउस का निर्माण शुरु किया। निर्माण की शुरुआत आम घरों जैसी ही थी, वही लकड़ी का ढांचा, चमकीली छत और फर्श, लेकिन जब दीवारें बनाने की बात आई तो स्टैनमैन को अलग ही आइडिया आया। उन्होंने पुराने अखबारों की परतों से इस घर की दीवारें बनाईं। अखबारों को आपस में चिपकाकर एक इंच मोटी परत बनाई गई, फिर उस पर वार्निश की परत लगाई गई। पेपर हाउस में सभी चीजें कागज से बनी हैं। स्टैनमैन ने कुर्सियां, टेबल, बुकशैल्फ, यहां तक कि, पर्दे भी अखबार से बनाए और अखबारों व पत्रिकाओं की कतरन से घड़ी भी बनाई। सिर्फ पियानो लकड़ी से बना था। लेकिन उसे भी अखबार से ढका गया था और जाहिर है कि, फायर प्लेस में अखबार का इस्तेमाल नहीं किया गया था। किसी को भी नहीं पता कि स्टैनमन ने अखबारों का इस्तेमाल क्यों किया। पर उसके वंशज मानते हैं कि उस समय भारी आर्थिक मंदी थी और वे सस्ती और सहज सुलभ सामग्री का इस्तेमाल करना चाहते थे, घर को गर्म रखने के लिए। बताया जाता है कि, उन्होंने कागज़ चिपकाने के लिए गोंद भी घर का बना हुआ ही लिया था, जो आटा, पानी और सेब के छिलकों से बनाया गया था। मूलतः उन्होंने बाहरी दीवारें क्लैपबार्ड से कवर करने की योजना बनाई थी पर कागज ने पहली सर्दियां इतनी सहजता से झेलीं कि उन्होंने अतिरिक्त सुरक्षा का विचार त्याग दिया। दो साल में बने इस घर में एक लाख अखबार प्रयुक्त किए गए थे। स्टैनमैन इस घर में 1930 तक रहे। अब 95 साल बाद दीवार की ऊपरी परत उतरने लगी है और अखबारों में छपे आलेख व विज्ञापन दिखाई देने लगे हैं।

भारत को विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बनाने में सेना का बड़ा योगदान होगा : सतीश पूनिया

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के शासन में 94 हजार करोड़ रू. के रक्षा उत्पादन के बजट के साथ आज 411 रक्षा उपकरण भारत की सेना बनाती है, 75 देशों को निर्यात भी करती है'

जयपुर, 15 जनवरी (का.सं.)। भारतीय सेना के शौर्यपूर्ण व गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने के मौके भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर में अमर जवान ज्योति स्मारक पहुंचकर भारतीय सेना के शौर्य व जज्बे को सलाम एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर सतीश पूनिया ने कहा कि, अमर जवान ज्योति पर उन असंख्य वीर शहीदों के नाम की इबारत लिखी हुई है, जिन्होंने भारत की एकता, अखण्डता के लिये अपने जीवन का सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

उन्होंने कहा कि, आज सेना दिवस है, इस ऐतिहासिक अवसर पर सेना दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। लोकतंत्र की अक्षुण्णता के बाद में, लोकतंत्र की उपलब्धि के बाद में भारत की सेना अपने आप में दूसरी बड़ी उपलब्धि है।

संसाधन के नाते और संख्या के नाते ही नहीं, गुणात्मक रूप से भी भारत की सेना ने वह सब अर्जित कर लिया जो किसी जमाने में केवल थ्री नॉट थ्री राइफल के नाम से जानी जाती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के शासन में 94 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादन के बजट के साथ आज 411 प्रकार के रक्षा उपकरण भारत की सेना बनाती है और यही नहीं 75 देशों को निर्यात भी करती है।

अग्नि से लेकर ब्रह्मोस तक मिसाइलें स्वदेशी तकनीक का सहारा लेकर बन रही है। आज महिलाएं फाइटर प्लेन और तोपों को भी अच्छे तरीके से संभाल रही हैं, इसलिए भारत की सेना ने अनेक अवसरों पर देश की बाहरी और भीतरी सुरक्षा को जिस तरीके से ताकत और अंजाम दिया है, मुझे लगता है कि भारत आने वाले समय में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बनेगा, जिसमें भारत की सेना का बड़ा योगदान होगा। मैं नाम और अनाम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भारत की सेना के शौर्यपूर्ण 75 वर्ष पूर्ण होने पर उनके शौर्य और पराक्रम को जो पिछले दिनों कारगिल से लेकर तवांग और डोकलाम में पूरे विश्व ने देखा बधाई देता हूँ भारत की सेना, जय हिंद की सेना हमारा पराक्रम है, शौर्य है और स्वाभिमान है।

शीतलहर के बीच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यक्रमों का टाइमिंग लगभग एक ही है। ऐसे में किसके साथ कितने लोग जुटते हैं, यह देखना भी काफी महत्वपूर्ण होगा।

इन सियासी दौरों के 3 दिन बाद राज्य विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि सचिन पायलट के 5 जिलों के दौरे के दौरान उनके सामने जिस तरह की चर्चाएं आएंगी और सरकार को लेकर लोग क्या सोचते हैं, इस बारे में जो भी ज्ञापन सचिन पायलट को मिलेंगे। उनके आधार पर सचिन पायलट समर्थक विधायक आगामी विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सवाल उठा सकते हैं। ऐसे में सरकार के सामने सदन के अंदर अपने ही विधायकों का सामना करना आसान काम नहीं होगा।

इससे पहले सचिन पायलट अपने दौरे शुरू करने से ठीक पहले पंजाब गए थे, जहां उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी से चर्चा करने के साथ अपने कार्यक्रमों की जानकारी साझा कर दी है। वहीं उनकी मुलाकात राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से भी हुई थी, ऐसे में सचिन पायलट उनके साथ भी कार्यक्रमों की बात साझा कर चुके हैं।

पहलगाम में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैल्सियस नीचे था। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में शनिवार को सीजन का सबसे कम तापमान शून्य से 11.0 डिग्री सैल्सियस नीचे रहने के बाद मामूली सुधार हुआ और रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 10.4 डिग्री सैल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम की इस अवधि के दौरान उत्तरी कश्मीर में घास के मैदान की घाटी के लिए तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री सैल्सियस कम था। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 0.6 डिग्री सैल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

देश में पहली रोबॉटिक सर्जरी से थायरॉयड कैंसर की गांठ को निकाला गया

एस.जी.पी जी.आई. लखनऊ के मैडिकल सर्जन्स की टीम ने इस अत्यंत जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया

- रोबॉटिक सर्जरी का कमाल यह रहा कि, गर्दन में बिना कोई चीरा लगाये कैंसर की गांठ को हटा दिया गया।
- देश के किसी सरकारी अस्पताल में पहली बार इस तरह के ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है।

लखनऊ, 15 जनवरी। उत्तर प्रदेश में पहली बार रोबॉटिक सर्जरी से थायराइड कैंसर को दूर किया गया है। संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एस.जी.पी जी.आई.एम.एस.) के डॉक्टरों ने रोबोटिक सर्जरी के जरिए पैपिलरी थायरॉइड कैंसर से पीड़ित 21 वर्षीय महिला का सफल ऑपरेशन किया है। अस्पताल की विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह भारत में पहली बार हुआ है कि एक सरकारी संस्थान में रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से एक कैंसरयुक्त थायरॉयड ग्रंथि को पूरी तरह से हटा दिया गया।

प्रयागराज की रहने वाली इस मरीज में गांठ बन गई थी, जिसके बाद कमला नेहरू कैंसर अस्पताल में उसका पता चला। एस.जी.पी जी.आई.एम.एस. में रोबॉटिक थायरॉइड सर्जन डॉ. ज्ञान चंद ने कहा, चूंकि जटिलताओं के कारण गले में चीरा लगाए बिना सर्जरी संभव नहीं थी, इसलिए उसे लखनऊ के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। प्रयागराज की 21 वर्षीय अविवाहित लड़की के गले में थायरायड की गांठ थी, जो लगातार बढ़ रही थी। प्रयागराज के कमला नेहरू कैंसर अस्पताल में आवश्यक जांच के बाद वहां के डॉक्टरों ने परिवार को बताया कि यह गांठ है और यह घातक है। इन जटिलताओं के कारण गले में चीरा लगाए बिना इसकी सर्जरी संभव नहीं थी। ऐसे में मरीज और उसके परिजन काफी उदास और निराश थे, क्योंकि इससे सर्जरी के बाद चीरे के निशान रह जाते थे।

कमला नेहरू अस्पताल के डॉक्टरों ने तब रोगी को गर्दन में चीरा लगाए बिना सर्जरी के लिए डॉ. ज्ञान चंद, रोबोटिक थायराइड सर्जन, एस.जी.पी.जी.आई., लखनऊ के पास रेफर कर दिया। जरूरी जांच के बाद पता चला कि मरीज को पैपिलरी थायरॉइड कैंसर है, जिसे रोबोटिक तरीके से हटाया जा सकता है। परिवार की सहमति के बाद डॉक्टर ज्ञान ने चार घंटे के ऑपरेशन में बिना चीरा लगाए मरीज के गले में कैंसर वाली थायरायड ग्रंथि समेत कई गांठों को सफलतापूर्वक निकाल दिया, मरीज अब स्वस्थ है।

अफगानिस्तान को चार करोड़ डॉलर का पैकेज

काबुल, 15 जनवरी (वार्ता)। अमेरिका ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में 4 करोड़ डॉलर का एक नया पैकेज दिया है जिसे काबुल के एक वाणिज्यिक बैंक में जमा करा दिया गया है। अफगानिस्तान के केन्द्रीय बैंक दा अफगानिस्तान बैंक (डी.ए.बी.) ने रविवार को यहां जारी बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि नकद सहायता शनिवार को पहुंची और डी.

- अमेरिका ने मानवीय सहायता के लिए यह राशि जारी की है।

ए. बी. ने सहायता की सराहना करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत करने वाले किसी भी समर्थन का स्वागत करेगा। पिछले महीने दो सहायता पैकेज , जिनमें से प्रत्येक में चार करोड़ अमेरिकी डॉलर नकद थे, अफगानिस्तान पहुंचे और देश के वाणिज्यिक बैंकों में से एक में जमा किए गए।

'सिसोदिया का दफ्तर कोई इंडिया गेट नहीं है, जो घूमते-फिरते कोई भी घुस जाये'

आप पार्टी ने कहा कि, सी.बी.आई. जब मर्जी दफ्तर में घुसती है और खाली हाथ लौट जाती है, उसे कुछ नहीं मिलता है

- उप मु.मंत्री सिसोदिया ने कहा कि, सी.बी.आई. बार-बार छापे डाल रही है, उन्होंने मेरे घर एवं गाँव सब जगह तलाशी ले ली है, मगर उन्हें मिलता कुछ नहीं है।

नई दिल्ली, 15 जनवरी। पिछले साल अप्रैल से लागू की गई नई आबकारी नीति मामले में सी.बी.आई. ने शनिवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के कार्यालय में एक बार फिर छापेमारी की। सी.बी.आई. की छापेमारी के एक दिन बाद रविवार (15 जनवरी) को आम आदमी पार्टी (आप) ने जांच एजेंसी पर निशाना साधा। आप ने कहा कि, यह दिल्ली के उपमुख्यमंत्री का दफ्तर है, कोई इंडिया गेट नहीं है।

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने रविवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अगर कुछ मिलता है तो वो सी.बी.आई. के लिए 'छापा' हो जाता है। कुछ नहीं मिलता तो कहते हैं कि ऐसे ही गए थे। भारद्वाज ने कहा कि उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का दफ़्तर है, कोई इंडिया गेट थोड़ी है, जहां छुट्टी वाले दिन कोई टहलते-टहलते कुछ भी उठा ले गया।

भारद्वाज ने कहा कि समस्या यह है कि सी.बी.आई. वालों को कुछ मिलता नहीं है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि छुट्टी वाले दिन एजेंसी के लोग वहां जाते हैं और जो भी मन किया वो उठा लिया। उन्होंने कहा कि छापा क्या होता है, यही तो होता है। भारद्वाज ने कहा कि आपके घर में कोई आए और कुछ आकर ले जाए तो आप यही कहेंगे कि नहीं-नहीं ऐसे ही घूमते-फिरते आए थे, वो कोई दिक्कत नहीं है। हमारे और उनके अच्छे संबंध चल रहे हैं, उन्होंने कहा कि ऐसा तो नहीं होता है। भारद्वाज ने कहा कि समस्या यह है कि सी.बी.आई. वालों को कुछ मिलता नहीं है।

बता दें, शनिवार (14 जनवरी, 2023) को जब दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के ऑफिस पर सी.बी.आई. की रेड पड़ी, तो उन्होंने इसका ठीकरा भाजपा पर निशाना साधा था। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर सी.बी.आई. के रेड की जानकारी देते हुए लिखा था कि आज फिर सी.बी.आई. मेरे दफ्तर पहुंची है, उनका स्वागत है। इन्होंने मेरे घर पर रेड कराई, दफ्तर में छापा मारा, लॉकर तलाशे। मेरे गांव तक में छानबीन करा ली, फिर भी मेरे खिलाफ न कुछ मिला है न मिलेगा, क्योंकि मैंने कुछ गलत किया ही नहीं है।' उन्होंने आगे लिखा था कि सिर्फ ईमानदारी से दिल्ली के बच्चों की शिक्षा के लिए काम किया है।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा था कि मनीष सिसोदिया को दिल्ली के लाखों बच्चों को अच्छी शिक्षा देने की सजा भाजपा दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सी.बी.आई. को आम आदमी पार्टी को बदनाम करने और आप के नेताओं पर फर्जी छापे मारने का हथियार बना लिया है। छापे मार लो, मिलेगा कुछ नहीं, क्योंकि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया।

दक्षिण भारत को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई थी।

सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस देश की आठवीं ऐसी हाई-स्पीड ट्रेन होगी। पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली-कानपुर-इलाहाबाद-वाराणसी रूट पर हरी झंडी दिखाई गई थी।

वंदे भारत एक्सप्रेस 160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम व्यावसायिक गति तक चल सकती है। वर्तमान में काजीपेट के रास्ते सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम ट्रैक पर ट्रेन अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है।

वंदे भारत एक्सप्रेस में शताब्दी ट्रेन की तरह यात्रा कक्षाएं (एसी चेयर कार और एक्जीक्यूटिव क्लास) हैं, लेकिन यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव है।

19.80 करोड़ रु. के गबन के मामले में बैंक का सह उपाध्यक्ष गिरफ्तार

- नाग्रेन्द्र कुमार, साल 2021 में आर.बी.एल. बैंक में उपाध्यक्ष के तौर पर कार्यरत थे, उन्होंने किसी दूसरी पार्टी के पैसे धोखे से अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिये तथा बैंक से इस्तीफा दे दिया था।

नई दिल्ली, 15 जनवरी। दिल्ली पुलिस ने आर.बी.एल. बैंक से 19.80 करोड़ रु. के फ्रॉड के मामले में बैंक के सहायक उपाध्यक्ष के तौर पर कार्यरत नागेंद्र कुमार कुमार को दिल्ली के वसंत कुंज इलाके से गिरफ्तार कर लिया है।

नाग्रेन्द्र कुमार आर.बी.एल. बैंक में सहायक उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत था। साल 2021 में बैंक के सतर्कता विभाग के निखिल छतरवाल ने आर्थिक अपराध शाखा में नागेंद्र कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी और ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि नागेंद्र कुमार आर.बी.एल. बैंक लिमिटेड में सहायक उपाध्यक्ष, कार्यान्वयन और ग्राहक सहायता के रूप में तैनात था। इसका कार्यालय हंसालय बिल्डिंग, बाराखंभा रोड में था। सात अगस्त 2020 को आर.बी.एल. बैंक लिमिटेड के दो खाता धारकों जुबिलेंट लाइफ साइंसेज लिमिटेड और जुबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने कैश मैनेजमेंट पोर्टल के माध्यम से अपने खातों से कुछ लेन-देन किया। बैंक को पता चला कि आरोपी नागेंद्र कुमार ने इन खातों से 19.80 करोड़ रुपये आई.सी.आई.सी.आई. बैंक और एच.डी.एफ.सी. बैंक के अपने खातों में स्थानांतरित कर दिया। आर.बी.एल. बैंक लिमिटेड ने आई.सी.आई.सी.आई. बैंक लिमिटेड और एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड से संपर्क किया और पीड़ितों के खातों में धोखाधड़ी की राशि वापस करवा दी। शिकायत पर शाखा ने साल 2021 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच में पता चला कि नागेंद्र कुमार को उपाध्यक्ष होने के नाते बैंक खातों के पढ़ने और लिखने की अनुमति थी। सात अगस्त 2020 को नागेंद्र ने अपने अधिकार का दुरुपयोग करके दोनों कंपनी के पैसों के आठ लेन-देन वाली दो फंड ट्रांसफर फाइल बनाई और उन्हें होस्ट टू होस्ट बैंकिंग सिस्टम में इन कंपनियों के फोल्डर में अपलोड कर दिया। उसके बाद आर.बी.एल. बैंक का कैश मैनेजमेंट सिस्टम स्वचालित रूप से इन फाइलों को भुगतान के लिए भेज देता है।

'रिटायर्ड अधिकारियों से गबन एवं घोटालों की जांच नहीं करवाई जाये'

- केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने सभी बैंकों को निर्देश दिया है कि, सभी बैंक स्थाई रूप से कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों की कमेटी बनायें तथा उनके मार्फत ही जांच कराई जाये।

नई दिल्ली,15 जनवरी। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने कहा है कि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों और केंद्र सरकार के विभागों में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शामिल नहीं किया जाए। आयोग ने यह निर्देश तब जारी किया है, जब यह देखा गया कि ज्यादातर विभाग भ्रष्टाचार मामलों की जांच के लिए अपने सेवानिवृत्त अधिकारियों को जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त कर रहे थे।

इसके साथ ही सतर्कता आयोग ने कहा है कि भ्रष्टाचार मामलों की जांच के लिए विभागों में सतर्कता अधिकारियों को भी जवाबदेह बनाया जाना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों के निर्वहन में गोपनीयता से समझौता किए जाने पर उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी आवश्यक रूप से की जाए। आयोग ने कहा है कि अगर सेवानिवृत्त अधिकारियों को जांच अधिकारी बनाया जाता है, तो उन पर कदाचार के लिए कार्रवाई नहीं की जा सकती, क्योंकि रिटायरमेंट के बाद उन पर अनुशासनात्मक नियम लागू नहीं होते हैं।

बता दें, आयोग ने अगस्त, 2000 में एक आदेश जारी कर कहा था कि विभागों में सतर्कता अधिकारी के रूप में पूर्णकालिक कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए और एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को सलाहकार के रूप में नियुक्त नहीं किया जाए। इसके बावजूद देखा गया कि विभागों ने जांच के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नियुक्त किया जा रहा है। नवीनतम आदेश 13 जनवरी को जारी किया गया है। यह आदेश केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों व विभागों के सचिवों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, बैंकों और बीमा कंपनियों सहित अन्य को जारी किया गया।

भारत अपने कुल डिमांड का 25 फीसदी क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा है

भारत और रूस की इस रणनीति के कारण नेटो देशों और यूरोप की रूस को आर्थिक क्षति पहुँचाने की योजना काफी हद तक फेल हो गई है

- रूस 31 मार्च, 2022 को समाप्त साल तक भारत के कुल क्रूड ऑयल आयात में सिर्फ 0.2 प्रतिशत का योगदान देता था।
- बीते तीन महीनों से भारत रूस से रोजाना 10 लाख बैरल क्रूड ऑयल आयात कर रहा है।

नई दिल्ली/मॉस्को, 15 जनवरी। भारत का रूस से क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वक्त में भारत रूस से रोजाना 10 लाख बैरल तेल आयात कर रहा है। इससे रूस के तेल पर प्राइस कैप लगाकर उसे झुकाने की योजना भी फेल हो गई है। भारत कुल कच्चे तेल का 25 फीसदी हिस्सा अकेले रूस से खरीद रहा है। यह तेल उसे काफी सस्ता भी पड़ रहा है। हालांकि यूरोपीय यूनियन को रूस से तेल लेना अच्छा नहीं लग रहा। बावजूद भारत ने साफ कह दिया था कि, रूस उसका पुराना सहयोगी है और वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के अनुसार तेल लेता रहेगा।

भारत का रूस से क्रूड ऑयल का आयात दिसंबर 2022 में बढ़कर 10 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया है। ऊर्जा की खेप पर निगाह रखने वाली वॉर्टेक्सा के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि भारत के लिए रूस सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। पहली बार रूस से तेल आयात 10 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक रहा है। रूस 31 मार्च, 2022 को समाप्त साल तक भारत के कुल कच्चा तेल आयात में सिर्फ 0.2 प्रतिशत का योगदान देता था। दिसंबर में उसने भारत को प्रतिदिन 11.9 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति की। इससे पहले नवंबर में रूस से भारत का आयात 9,09,403 बैरल प्रतिदिन था। अक्टूबर, 2022 में यह 9,35,556 बैरल प्रतिदिन था।

ऊर्जा आसूचना कंपनी वॉर्टेक्सा के अनुसार, रूस से सबसे अधिक क्रूड ऑयल के आयात का पिछला रिकॉर्ड जून, 2022 में बना था। उस समय भारत ने रूस से प्रतिदिन 9,42,694 बैरल कच्चा तेल खरीदा था। रूस अक्टूबर, 2022 में पहली बार परंपरागत विक्रेताओं को पीछे छोड़ते हुए भारत का प्रमुख कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बना था। अब भारत के कुल कच्चा तेल आयात में रूस का हिस्सा बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया है। उद्योग सूत्रों ने बताया कि यूरोपीय संघ के बीच रूस के समुद्र के रास्ते आयातित क्रूड ऑयल पर मूल्य सीमा की सहमति बनने के बाद रूस से भारत का कच्चे तेल का आयात ऊंचाई पर पहुंच गया है।

रूस के क्रूड ऑयल के लिए 60 डॉलर प्रति बैरल की सहमति बनी है, जबकि भारत को यह इससे सस्ता मिल रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक देश है। यह अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। रिफाइनरियों में कच्चे तेल को पैट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है।

वॉर्टेक्सा के अनुसार, भारत ने दिसंबर में इराक से 8,03,228 बैरल प्रतिदिन और सऊदी अरब से 7,18,357 बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया। संयुक्त अरब अमीरात दिसंबर, 2022 में 3,23,811 बैरल प्रतिदिन के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता रहा।

पाकिस्तान में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को टिकट वितरित करने के लिए एक संसदीय बोर्ड गठित करने के लिए भी कहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908